वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

तृतीय वर्ष बी.ए.

(2006-2007,2007-2008 तथा 2008-2009 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

परिशिष्ट-2

1. अनिवार्य हिंदी

अ. प्रेमचंदः कहानी का श्रेष्ठ- संपा. महेन्द्र कुलश्रेष्ठ
प्रकाशक- शिक्षा भारती, कश्मीरी गेट, दिल्ली
निम्नलिखित कहानियों का अध्ययन-
1. पंच परमेश्वर 2.नमक का दारोगा 3. शतरंज के खिलाड़ी
4. पूस की रात 5.दो बैलों की कथा 6. ईदगाह

आ. कबिरा खड़ा बज़ार में -भीष्म साहनी
प्रकाशक- राजकमल प्रकाश प्रा.लि. नई दिल्ली

इ .व्याकरण-
1.हिंदी शब्द-भंडार-तत्सम, तद्भव, देशज तथा विदेशज।
2.अकर्मक, सकर्मक, संयुक्त तथा प्रेरणार्थक क्रियाएँ।
3.काल-भेद और प्रयोग।
4.वाक्य-विचारः वाक्य-भेद, वाक्य-गठन, तथा वाक्य-परिवर्तन।
ई.भूल-सुधार
उ.निबंध

अंक-विभाजन-

पाठ्य-पुस्तकें-		40 अंक
	व्याकरण-	10 अंक
	भूल-सुधार-	05 अंक
	निबंध-	15 अंक

संदर्भ-पुस्तकें-

1. हिंदी कहानीः अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मिश्र
2. कथान्दोलन-रेखा सेठी
3. कहानीःस्वरूप और संवेदना-राजेन्द्र यादव
4. हिंदी नाटक-कोश-डॉ.दशरथ ओझा
5. हिंदी व्याकरण-कामताप्रसाद गुरू
6. प्रेमचंद-संपा.डॉ.सत्येंद्र
7. प्रेमचंद-डॉ.रामविलास शर्मा
8. प्रेमचंद-एक अध्ययन-डॉ.राजेश्वरप्रसाद गुरू
9. हिंदी कहानी-अंतरंग पहचान-डॉ.रामदरश मिश्र
10.हिंदी नाटकः आज-कल - डॉ.जयदेव तनेजा
11.हिंदी नाटकः आज तक-डॉ.वीणा गौतम
12.हिंदी नाटक-बच्चन सिंह

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

तृतीय वर्ष बी.ए.

हिंदी - मुख्य विषय

(2006-2007,2007-2008 तथा 2008-2009 के शैक्षिक वर्षों के लिए)

प्रश्नपत्र - 1 प्राचीन एवम् मध्यकालीन हिंदी काव्य

अ. ***मध्यकालीन हिंदी काव्य*** *- संपादक-शिवकुमार मिश्र*
प्रकाशक-पार्श्व पब्लिकेशन,अहमदाबाद

ब. ***जायसी-ग्रंथावली*** *- संपादकः आचार्य रामचंद्र शुक्ल*
प्रकाशक- नागरी प्रचारिणी सभा,वाराणसी

निम्नलिखित कवियों की कविताओं का अध्ययन-

1. कबीर - 1 से 50 साखियाँ
2. जायसी - ***नखशिख खण्ड***
3. सूरदास - 1 से 25 पद
4. मीराँबाई - 1 से 20 पद
5. बिहारी - 1 से 50 दोहे

अंक-विभाजन ः

3 आलोचनात्मक प्रश्न (42 अंक)
1 प्रश्न टिप्पणियों का (14 अंक)
1 ससंदर्भ व्याख्यात्मक (14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें ः

16. हिंदी रीति साहित्य-भागीरथ मिश्र
16. कबीर-आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
16. सूर-साहित्य- आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी
4. महाकवि सूरदास-नंददुलारे वाजपेयी
5. भक्तिकाव्य का समाजशास्त्र-प्रेमशंकर
6. भक्तिकाव्य की भूमिका- प्रेमशंकर
7. सूरदास-हरवंसलाल शर्मा
8. कबीर-विजयेन्द्र स्नातक
9. भक्ति और रीतिकालीन हिंदी मुक्तक काव्य-जितेन्द्र पाठक
10. रीतिकालीन साहित्य कोश-विजयपाल सिंह
11. भारतीय प्रेमाख्यान काव्य-डॉ.हरिकांत श्रीवास्तव
12. मीराँबाई की पदावली-परशुराम चतुर्वेदी
13. मीराँ की भक्ति और उनकी काव्य-साधना का अनुशीलन- भगवानदास तिवारी
14. जायसी का पद्मावत-डॉ.गोविन्द त्रिगुणायत
15. बिहारीःएक मूल्यांकन-डॉ.हरिचरण शर्मा
16. बिहारी रत्नाकर-जगन्नाथदास रत्नाकर

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

तृतीय वर्ष बी.ए.

प्रश्नपत्र - 2 हिंदी निबंध तथा अन्य गद्य विधाएँ

1. **निबंधश्री** - संपादक - विजयकांत धर दुबे
   प्रकाशक - जयभारती प्रकाशन, इलाहाबाद

निम्नलिखित निबंधों का अध्ययन-

1. चढ़ती उमर -बालकृष्ण भट्ट
2. श्रद्धा-भक्ति-रामचंद्र शुक्ल
3. स्वर्ग में विचार-सभा का अधिवेशन-भारतेन्दु हरिश्चंद्र
4. धोखा - प्रताप नारायण मिश्र
5. कछुआ धर्म - चंद्रधर शर्मा गुलेरी
6. जनतंत्रवाद का खोखलापन - रामवृक्ष बेनीपुरी
7. मैं धोबी हूँ - शिवपूजन सहाय
8. भंग की तरंग - बालमुकुन्द गुप्त

2. **प्रकीर्णिका** - संपादक - बालकृष्ण राव
   श्रीराम शर्मा
   प्रकाशक-राजकमल प्रकाशन प्रा.लि., दिल्ली-2

निम्नलिखित रचनाओं (विधाओं) का अध्ययन-

1. लमही में जन्म एवम् अंतिम बीमारी (जीवनी) -अमृतराय
2. शांतिनिकेतन में (यात्रा-साहित्य) -राहुल सांकृत्यायन
3. एकलव्य ने गुरू को अँगूठा दिखाया (हास्य-व्यंग्य) -हरिशंकर परसाई
4. प्रवास की डायरीः कुछ विशिष्ट पन्ने (डायरी) -बच्चन
5. श्री बालकृष्ण शर्मा नवीन (भेंट वार्ता) -पद्मसिंह शर्मा

अंक-विभाजन-

3 आलोचनात्मक प्रश्न	(42 अंक)
1 प्रश्न टिप्पणियों का	(14 अंक)
1 ससंदर्भ व्याख्यात्मक	(14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें -

1.हिंदी निबंध-गोविन्दलाल छाबडा

2.हरिशंकर परसाईः व्यंग्य की वैचारिक पृष्ठभूमि-राधेमोहन शर्मा

3.पंडित बालकृष्ण भट्टः व्यक्तित्व और कृतित्व-मधुकर भट्ट

4.राहुल सांकृत्यायन-डॉ.प्रभाकर माचवे

5.आचार्य रामचंद्र शुक्लःनिबंध संरचना और काव्य-चिंतन-डॉ.योगेन्द्र प्रताप सिंह

6.हिंदी का आधुनिक यात्रा-साहित्य-डॉ.प्रतापपाल शर्मा

7.हिंदी निबंध साहित्य का सांस्कृतिक अध्ययन-डॉ.बाबूराम

8.हरिशंकर परसाई के व्यंग्यों में वर्ग-चेतना-डॉ.आभा भट्ट

9.श्री रामवृक्ष बेनीपुरी-डॉ.रामविलास शर्मा

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

तृतीय वर्ष बी.ए.

प्रश्नपत्र - 3 साहित्य के सिद्धांत और हिंदी आलोचना

अ. भारतीय साहित्य-सिद्धांत (30 अंक)

अ.काव्य-लक्षण, काव्य-हेतु, काव्य-प्रयोजन, काव्य के प्रकार

आ.शब्द-शक्ति, काव्य-गुण, काव्य-दोष

इ.रस, अलंकार, रीति, ध्वनि और वक्रोक्ति सिद्धांतों का सामान्य परिचय

ई.निम्नलिखित काव्यालंकार : लक्षण और उदाहरण-

उपमा, उत्प्रेक्षा, रूपक, विभावना, विशेषण विपर्यय, मानवीकरण,श्लेष, यमक, अनुप्रास और वक्रोक्ति।

उ.निम्नलिखित छंदों के लक्षण एवम् उदाहरण-

दोहा, रोला, सवैया, छप्पय, धनाक्षरी, इंद्रवज्रा, मंदाक्रांता, वसंततिलका, शिखरिणी और शार्दूलविक्रीडित।

ब. पाश्चात्य साहित्य-सिद्धांत (30 अंक)

अ. साहित्यः परिभाषा, साहित्य और समाज

आ. कविताः परिभाषा, कविता-तत्व, कविताः प्रकार (प्रबंध और प्रगीत)

इ. समालोचनाः स्वरूप, समालोचनाः प्रकार, आलोचक के गुण

ई. निम्नलिखित विधाओं की परिभाषा, तत्व और प्रकार-

1. उपन्यास 2. कहानी 3. नाटक 4. निबंध।

क. प्रमुख हिंदी आलोचकः परिचयात्मक अध्ययन एवम् योगदान- (10 अंक)

1. आचार्य रामचंद्र शुक्ल 2. आचार्य हजारीप्रसाद द्विवेदी 3. डॉ.नंददुलारे वाजपेयी 4. डॉ.रामविलास शर्मा।

अंक-विभाजन-

2 आलोचनात्मक प्रश्न- खण्ड-**अ** से (28 अंक)

2 आलोचनात्मक प्रश्न-खण्ड-**ब** से (28 अंक)

1 प्रश्न टिप्पणियों का (14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. पाश्चात्य साहित्य-चिंतन-सं.निर्मला जैन
2. हिंदी आलोचना की बीसवीं सदी-निर्मला जैन
3. रस-चिंतन के विविध आयाम-सं.आनंदप्रकाश दीक्षित
4. भारतीय तथा पाश्चात्य काव्यशास्त्र तथा हिंदी आलोचना-डॉ.रामचंद्र तिवारी
5. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका-डॉ.नगेन्द्र
6. रस-सिद्धांत-डॉ.नगेन्द्र

7. पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.भगीरथ मिश्र
8. साहित्य के प्रमुख पक्ष-डॉ.राममूर्ति त्रिपाठी
9. भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्य-सिद्धांत-डॉ.गणपतिचंद्र गुप्त
10.मार्क्सवादी,समाजशास्त्रीय और ऐतिहासिक आलोचना-डॉ.शशिभूषण पांडेय
11.शास्त्रवादी और स्वच्छंदतावादी साहित्यादर्श और समीक्षा-प्रणाली- पी.वासवदत्ता
12.हिंदी आलोचना का विकास-नंदकिशोर नवल
13.भारतीय एवम् पाश्चात्य काव्यशास्त्र-डॉ.विजयपाल सिंह

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

तृतीय वर्ष बी.ए.

प्रश्नपत्र - 4 प्रादेशिक भाषा -साहित्य

1. *गुजराती साहित्य का इतिहास -आधुनिक काल (नवजागरण, पंडित, गांधी तथा अनु-गांधी युग का सामान्य परिचय)*

2. *गुजराती रचनाकार और उनकी प्रतिनिधि रचनाएँ-*
   1. ***पृथिवीवल्लभ - कनैयालाल मुनशी***
   2. ***कुंवर बाईनुं मामेरुं*** *- प्रेमानंद*
      संपादकः लाभशंकर ठाकर एवम् प्रसाद ब्रह्मभट्ट
      प्रकाशकः पार्श्व पब्लिकेशन, अहमदाबाद
   3. *नरसिंह मेहता - सामान्य परिचय*
   4. *नर्मद-सामान्य परिचय*

अंक-विभाजन-

1 आलोचनात्मक प्रश्न खण्ड-1 से	*(14 अंक)*
2 आलोचनात्मक प्रश्न खण्ड-2 से	*(28 अंक)*
1 प्रश्न ससंदर्भ व्याख्यात्मक	*(14 अंक)*
1 प्रश्न टिप्पणियों का	*(14 अंक)*

संदर्भ-पुस्तकें-

1. *प्राचीन गुजराती साहित्यनो इतिहास-1 (साहित्य परिषद प्रकाशन)*
2. *मध्यकालीन गुजराती साहित्यनो इतिहास-2 (साहित्य परिषद प्रकाशन)*
3. *अर्वाचीन गुजराती साहित्यनो इतिहास-3-4 (साहित्य परिषद प्रकाशन)*
4. *अर्वाचीन गुजराती साहित्यनी विकास रेखा-1-2 -डॉ.धीरूभाई ठाकर*
5. *गुजराती नवलकथा-रघुवीर चौधरी-राधेश्याम शर्मा*
6. *गुजराती नवलथामां पात्रनिरूपण ः 2 - डॉ.रमेश दवे*
7. *प्रेमानंदः एक समालोचना-रमेश शुक्ल*
8. *मुशीनां पात्रो-प्रासन्नेय, ग्रंथ-ओकटोबर-71*
9. *गुजराती साहित्यनो इतिहास- रमेश त्रिवेदी*
10. *अर्वाचीन गुजराती साहित्यनो इतिहास-रमेश त्रिवेदी*

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

तृतीय वर्ष बी.ए.

प्रश्नपत्र - 5 हिंदी व्याकरण, हिंदी भाषा तथा राजभाषा-प्रशिक्षण

अ. हिंदी व्याकरण (30 अंक)

1. व्युत्पत्ति एवम् रचना की दृष्टि से शब्दों का वर्गीकरण
2. संज्ञा, सर्वनाम, विशेषण और क्रिया के भेद
3. वचन एवम् कारक का परिचय।

ब. हिंदी-भाषा (30 अंक)

1. आधुनिक भारतीय आर्यभाषाओं का सामान्य परिचय
2. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास
3. हिंदी की उपभाषाएँ एवम् बोलियाँ।

क. राजभाषा-प्रशिक्षण (10 अंक)

1. प्रशासन-व्यवस्था और भाषा
2. भारत की बहुभाषिकता और एक संपर्क भाषा की आवश्यकता
3. राजभाषा (कार्यालयी हिंदी)की प्रकृति
4. राजभाषा विषयक सांविधानिक प्रावधान-
   - अ. राजभाषा-प्रावधान (अनुच्छेद 343 से 351),
   - आ. राष्ट्रपति के आदेश (1952, 1955, 1960)
   - इ. राजभाषा अधिनियम 1963 (यथा संशोधित 1967)
   - ई. राजभाषा संकल्प (1968) यथानुमोदित (1991)
   - उ. राजभाषा नियम 1976
5. हिंदी कम्प्यूटीकरण
6. भूमंडलीकरण के परिपेक्ष्य में हिंदी का भविष्य।

अंक-विभाजन-

2 आलोचनात्मक प्रश्न खण्ड-अ से	(28 अंक)
1 आलोचनात्मक प्रश्न खण्ड-ब से	(14 अंक)
1 टिप्पणियों का प्रश्न खण्ड-अ और ब से	(14 अंक)
1 टिप्पणियों का प्रश्न खण्ड-क से	(14 अंक)

संदर्भ-पुस्तकें-

1. हिंदी व्याकरण-पं.कामताप्रसाद गुरू
2. हिंदी व्याकरण मीमांसा-काशीराम शर्मा
3. हिंदी भाषा का इतिहास-डॉ.भोलानाथ तिवारी
4. हिंदी भाषा का उद्‌गम और विकास-उदयनारायण तिवारी
5. राजभाषा हिंदीःप्रगति और प्रयाण-सं.इकबाल अहमद

6.मानक हिंदी व्याकरण-पृथ्वीनाथ पांडेय
7.प्रयोजनपरक हिंदी-सूर्यप्रसाद दीक्षित-योगेन्द्र प्रताप सिंह
8.राजभाषा हिंदी-कैलाशचंद्र भाटिया
9.राजभाषा का स्वरूप-कैलाशचंद्र भाटिया

****

वीर नर्मद दक्षिण गुजरात विश्वविद्यालय, सुरत

तृतीय वर्ष बी.ए.

प्रश्नपत्र - 6 प्रयोजनमूलक हिंदी

खण्ड - क प्रयोजनमूलक हिंदी की अवधारणा और उसका प्रयोग (35 अंक)

1. प्रयोजनमूलक हिंदीः अभिप्राय और उसकी परिव्याप्ति
2. प्रयोजनमूलक हिंदीः प्रयुक्तियाँ और उसके प्रयोगात्मक क्षेत्र
3. प्रयोजनमूलक हिंदी और पारिभाषिक शब्दावली
4. प्रशासनिक हिंदी और उसकी शब्दावली
5. प्रशासनिक पत्राचार और उसके प्रकार
6. (अ) प्रशासनिक पदनाम- Accountant, Advisor, Administrator, Announcer, Calculator, Chancellor, Clerk, Collector, Copyist, Editor, Enquiry Clerk, Gate Keeper, Guide, Hostess, In Charge, Inspector, Instructor, Justice, Medical Officer, Peon, Registrar, Surveyor, Translator, Typist, Worker.

   (ब) अनुभागों के नामकरण- Department Agriculture, Department Co-Operation, Department Community Development, Department Communications, Department Company Law & Insurance, Department Cottage Industries, Department Economic Affairs, Department Family Planning, Department Food, Department Iron & Steel, Department Labour and Employment, Department Light House, Department Legal Affairs, Department Meteorological, Department Port, Department Post & Telegraphs, Department Parliamentary Affairs, Department Printing & Stationery, Department Petroleum, Department Revenue, Department Sales Tax, Department statistics, Department Social Welfare, Department Tourism, Department Transport & Shipping,
6. संक्षेपण और टिप्पण।

खण्ड - ख हिंदी का वैज्ञानिक एवम् तकनीकी रूप (21 अंक)

7. वैज्ञानिक, तकनीकी एवम् प्रौद्योगिकी क्षेत्रों में हिंदी
8. हिंदी अनुप्रयोग में अनुवाद की भूमिका- अनुवाद की अवधारणा, उसका महत्व और विभिन्न सिद्धांत।

खण्ड - ग हिंदी में मीडिया लेखन (14 अंक)

9. जनसंचार-माध्यमः अभिप्राय, स्वरूप और विस्तार
10. जनसंचार-माध्यमों के प्रकार
11. समाचार-लेखन और हिंदी
    4. संवाद-लेखन और हिंदी
12. रेडियो-लेखन और हिंदी
13. विज्ञापन-लेखन।

अंक-विभाजन-

*2 आलोचनात्मक प्रश्न- खण्ड **क** से*	*(28 अंक)*
*1 आलोचनात्मक प्रश्न- खण्ड **ख** से*	*(14 अंक)*
*1 प्रश्न टिप्पणी का खण्ड-**क** और **ख** से*	*(14 अंक)*
*1 प्रश्न टिप्पणी का खण्ड **ग** से*	*(14 अंक)*

संदर्भ-पुस्तकें-

1. *प्रयोजनमूलक हिंदीः संरचना एवम् अनुप्रयोग-दिनेश गुप्त*
2. *प्रयोजनमूलक हिंदी-दिनेश गुप्त*
3. *प्रयोगात्मक और प्रयोजनमूलक हिंदी-दिनेश गुप्त*
4. *व्यावसायिक संप्रेषण-डॉ.अनूपचंद्र भायाणी*
5. *प्रयोजनमूलक हिंदीः पारिभाषिक शब्दावली तथा टिप्पण प्रारूपण-डॉ.मधु धवन*
6. *प्रामाणिक आलेखन और टिप्पण-प्रो.विराज*
7. *शुद्ध हिंदी-डॉ.विजयपाल सिंह*
8. *प्रशासनिक एवम् कार्यालयी हिंदी-डॉ.रामप्रकाश एवम् डॉ.दिनेशकुमार*
9. *कार्यालयी हिंदी - डॉ.विजयपाल*
10. *अनुवाद-बोध - डॉ.गार्गी गुप्त*
11. *अनुवाद-विज्ञान-डॉ.भोलानाथ तिवारी*
12. *जनसंचारःविविध आयाम-ब्रजमोहन गुप्त*
13. *मीडिया और साहित्य-सुधीश पचौरी*
14. *व्यावहारिक अनुवाद-डॉ. एन.ई.विश्वनाथ ऐयर*
15. *प्रयोजनपरक हिंदी-प्रो.सूर्यप्रसाद दीक्षित एवम् डॉ.योगेन्द्र प्रताप सिंह*
16. *प्रयोजनमूलक हिंदीः विविध आयाम-माया सिंह*
17. *प्रयोजन मूलक हिंदी का अध्ययन-डॉ.सुशीला गुप्ता*
18. *राजभाषा हिंदी और राजकीय पत्र-व्यवहार-घनश्याम अग्रवाल*

****